विट्स कॉलेज के छात्र समूह वालों से भयभीत

घटनाक्रम पर खुलकर प्रतिक्रिया देने से बच रहे, कहना है कि कॉलेज में बाहर के लोग आकर मारपीट करते हैं फिर भी प्रबंधन कोई पहल नहीं करता

नवभारत न्यूज

सतना। सितंबर 16, विट्स कॉलेज की बीबीए की छात्रा के साथ हुए मारपीट मामले में कॉलेज प्रबंधन और कॉलेज में छात्रों के चल रहे दर्जन भर से अधिक जीसी ग्रुप जैसे समूहों और उनमें पनपी गुटबाजी और बीच-बीच में होने वाली मारपीट और प्रबंधन के रवैया को लेकर छात्रों ने किए बड़े खुलासे.

विंध्य क्षेत्र के प्रतिष्ठित विट्स कॉलेज में शिक्षा के मंदिर को शर्मसार कर देने वाला एक ऐसा अनोखा मामला सामने आया जिसने विट्स कॉलेज की गरिमा और अनुशासन पर कई सवाल खड़े कर दिए बीते दिनों विट्स कॉलेज के छात्रों के बीच पॉपुलर जीसी ग्रुप में छात्रा का एक वीडियो वायरल किया गया जिसमे एक बीबीए की छात्रा को उसकी सहपाठी छात्राओं द्वारा धोखे से शहर के किनारे बने नगरवन लेजाकर सिर्फ़ इसलिए मारा क्यों की छात्रा ने सहपाठी छात्राओं के पुरुष मित्र श्रवण सेन से दोस्ती करने से इंकार कर दिया इतना ही नहीं इस पूरी मारपीट की घटना का वीडियो बनाया गया और जीसी ग्रुप के माध्यम से वायरल भी कर दिया गया जिसके बाद पूरा मामला पुलिस थाने तक पहुंचा लेकिन विचारणीय विषय यह है की विट्स जैसे बड़े कॉलेज में इतनी बड़ी घटना हो जाना महज इत्तेफाक नहीं है बल्कि इससे पहले भी इससे बड़े और अनैतिक मामले देखने को मिल चुके हैं और वर्तमान में भी विट्स कॉलेज में ऐसे ग्रुप ऐक्टिव हैं जिनमें कॉलेज के छात्र छात्राएं ग्रुप के माध्यम से अश्लीलता फैला रहे हैं, मारपीट की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, बाहर से आए छात्रों की रैगिंग हो रही है लेकिन वीट्स प्रबंधन मूक दर्शक की भूमिका में बैठा हुआ है

कॉलेज की अंदरूनी गतिविधियों चौंकाने वाली - विट्स कॉलेज के छात्र- छात्राओं से बात करने पर कई खुलासे हुए बच्चों ने बताया की कॉलेज में जीसी ग्रुप जैसे कई ऐसे ग्रुप हैं जिनमे ऐसी गतिविधियां आम बात है गाली गलौज मारपीट इनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है कॉलेज प्रबंधन भी इनके खिलाफ कोई करवाई नहीं करता इसीलिए इनके हौंसला बुलंद रहते हैं अगर ग्रुप से बाहर किसी लड़के से कोई बात हो जाती है तो कॉलेज गेट के सामने उसके साथ मारपीट की जाती है वही इस बात की सूचना कॉलेज प्रबंधन को देते हैं तो कैंपस के बाहर का मामला बता कर प्रबंधन शांत रहने की बात करते हैं

सुरक्षा व्यवस्था पर भारी चूक -विट्स कॉलेज के छात्र- छात्रों ने बताया की कॉलेज के गेट में गार्ड सिर्फ़ नाम के लिए खड़ा रहता है कॉलेज के अंदर- बाहर कौन आ जा रहा है कौन किसे पिट रहा है किसी से कोई मतबल नहीं है कैंपस में चुनिंदा जगहों को छोड़ दे तो सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे और जहाँ लगे हैं वो भी बंद है कॉलेज प्रबंधन सिर्फ़ कॉलेज में प्रवेश देने और फ़ीस लेने तक सीमित है।

छात्रा के साथ हुई मारपीट पर कहा-बीबीए की छात्रा के साथ हुई मारपीट को लेकर छात्रों ने बताया की यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पूर्व में ऐसे दर्जनों मामले हैं जिनमें ऐसी घटनाएं घाटी हैं अगर आरोपी लड़कियों द्वारा पीड़ित छात्रा के मारपीट का वीडियो वायरल नहीं होता तो यह मामला भी कभी सामने नहीं आता अभी भी कई ऐसे लड़के- लड़की हैं जिनके साथ ऐसी घटनाएं हुई हैं लेकिन वो बात नहीं करना चाहते

पुलिस की कार्यशैली पर छात्रों ने खड़े किए सवाल -छात्रों ने आरोपी श्रवण सेन पर मामूली धाराओं पर मुक़दमा दर्ज करने पर कहा कि श्रवण सेन विवादित छात्रा है कॉलेज की लड़कियों को परेशान करना और कॉलेज के लड़कों के साथ मार पीट करना उसका पेशा है अगर इस मामले में उसकी गिरफ्तारी हो जाती तो विट्स के साथ साथ सभी कॉलेजों के ऐसे अपराधिक छात्रों के बीच प्रशासन का डर बनेगा और ऐसी घटनाएं रुकेंगी

प्रबंधन ने खुलकर कुछ नहीं कहा

विट्स महाविद्यालय के पीआरओ धीरेंद्र गौतम ने इस पूरे मामले में पुलिस का सहारा लेकर कर किनारा काटते हुए कहा कि पुलिस इस मामले की खुद तफ्तीश कर रही है ऐसी स्थिति में क्या कहा जा सकता है .उनसे जब पूर्व में हुई घटनाओं के बारे में भी जानकारी चाही गई तो उन्होंने उस पर कोई भी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की .

तेईस साल बाद चुनाव का फैसला, कार्रवाई कुछ नहीं

हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी उच्च शिक्षा विभाग गंभीर नहीं

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर. प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र राजनीति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया लंबे समय से हाशिए पर है.

प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है. पिछले दो दशकों का रिकॉर्ड देखें तो साफ होता है कि छात्र राजनीति को दिशा देने वाली चुनावी प्रक्रिया लंबे समय तक बंदिशों और अनिश्चितताओं के साए में रही है. वर्ष 2003 के बाद से प्रदेश में प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली पर पूरी तरह विराम लगा हुआ है. हाल ही प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी अभी तक प्रदेश सरकार का कोई निर्णय सामने नहीं आया कि आखिर कब तक छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी अभी तक कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं हुए हैं जिसके कारण छात्र संगठनों में रोष भी व्याप्त है.

2011 और 2012 में जगी थी उम्मीद, फिर लग गया ब्रेक-लगभग आठ साल के लंबे अंतराल के बाद 2011 और 2012 में छात्र संघ चुनावों की वापसी हुई. मेरिट और आंशिक चुनावी प्रक्रिया के जरिए छात्र प्रतिनिधियों को चुना गया, जिससे कैंपस में संगठनात्मक सक्रियता लौटी. हालांकि, यह बहाली ज्यादा दिन नहीं टिक सकी और 2012 के बाद प्रशासन ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया को ठंडे बस्ते में डाल दिया.

2017 में अप्रत्यक्ष प्रणाली का प्रयोग, उसके बाद सन्नाटा-पांच साल के सूखे के बाद वर्ष 2017 में सरकार ने अप्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराए. इसमें पहले कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर) का चुनाव हुआ और फिर उन्होंने मिलकर कॉलेज स्तर के पदाधिकारियों को चुना. कई छात्र संगठनों ने इस प्रणाली को सत्ता के प्रभाव वाला बताते हुए विरोध भी जताया. इसके बावजूद उम्मीद थी कि चुनाव नियमित होंगे लेकिन 2017 के बाद से आज तक प्रदेश के किसी भी कॉलेज में छात्र संघ चुनाव नहीं कराए गए हैं. वही 2018 से अब तक प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र संघ चुनाव पूरी तरह ठप.विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को राज्य और देश की राजनीति की प्रारंभिक नर्सरी माना जाता है. छात्र संगठनों का कहना है कि चुनाव न होने से युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास रुक गया है और छात्र हितों की समस्याओं जैसे फीस वृद्धि, हॉस्टल की बदहाली और परीक्षाओं की अनियमितता को उठाने वाला कोई आधिकारिक मंच नहीं बचा है.

प्रत्यक्ष चुनाव 2003 के बाद नहीं हुए

-प्रदेश के कॉलेजों में अंतिम बार बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष चुनाव वर्ष 2003 में आयोजित हुए थे. उस दौरान लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों और कैंपस में कानून-व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए प्रत्यक्ष प्रणाली को बंद कर दिया गया था. इसके बाद से छात्रों द्वारा सीधे अपने अध्यक्ष और पदाधिकारियों को चुनने का अधिकार छिन गया.

इनका कहना है

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक छात्र संघ चुनाव को लेकर हमारे पास कोई आदेश नही आया है. ऐसी स्थिति में चुनाव कब और कैसे होंगे इस पर अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है.

डॉ आर एस गुप्ता
प्राचार्य डिग्री कॉलेज

संपत्ति कर वसूली की प्रगति पर आयुक्त ने जताई नाराजगी

30 सितंबर तक निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के सख्त निर्देश

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर. आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बुधवार को संपत्तिकर वसूली की समीक्षा बैठक लेकर प्रगति का जायजा लिया। अब तक की संपत्तिकर वसूली अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाए जाने पर आयुक्त ने नाराजगी जताई और वसूली कार्य में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान आयुक्त ने 50 हजार रुपये से अधिक के संपत्तिकर बकायादारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे बकायादारों से बकाया राशि की सख्ती से वसूली करने तथा संपत्तिकर जमा नहीं करने की स्थिति में विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आयुक्त ने अधिकारी-कर्मचारियों से निर्धारित लक्ष्य और अब तक की वसूली की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 सितंबर तक निर्धारित वसूली लक्ष्य पूरा किया जाए। लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं होने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सक्रियता बढाने के निर्देश- आयुक्त ने संपत्तिकर अमले को बकायादारों से नियमित संपर्क करने, क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने तथा वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी समीक्षा में लक्ष्य के अनुरूप अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हिस्ट्रीशीटर हत्याकांड मामले में हटाए गए सिंहपुर थाना प्रभारी

अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग बरकरार

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर.एक हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उठाई गई जांच की दिशा में थाना प्रभारी को हटाने की मांग पर अड़े रॉयल राजपूत संगठन के आगे आखिरकार पुलिस प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा और टीआई पंकज शुक्ला को सिंहपुर थाने से हटाकर जैतवारा थाना भेजा गया।

बीते 7 सितंबर को सिंहपुर थाना क्षेत्र के टीकर गांव में हिस्ट्रीशीटर राहुल सिंह की हत्या हुई थी। हत्याकांड के मुख्य आरोपी चाचा-भतीजे पकड़े गए थे। आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई और उन्हें जेल भेज दिया गया है। लेकिन रॉयल राजपूत संगठन टीआई की कार्रवाई से असंतुष्ट था और अपनी मांगों को लेकर एसपी ऑफिस के गेट पर धरने पर बैठ गया। परिजनों और रॉयल राजपूत संगठन के भारी विरोध तथा 28 घंटे तक चले धरने-प्रदर्शन के बाद सिंहपुर थाना प्रभारी (टीआई) पंकज शुक्ला को हटाकर अब जैतवारा थाना भेज दिया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मृतक हिस्ट्रीशीटर राहुल सिंह (निवासी टीकर, थाना सिंहपुर, जिला सतना) के खिलाफ विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, एससी/एसटी एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे कई संगीन अपराध शामिल हैं।

एसपी ऑफिस के सामने हुआ प्रदर्शन

मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी हिस्ट्रीशीटर के परिजन और रॉयल राजपूत संगठन अन्य संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी और टीआई को हटाने की मांग पर अड़े रहे। इस मांग को लेकर एसपी ऑफिस के गेट के सामने लगभग 28 घंटे तक जोरदार धरना-प्रदर्शन चला, जिसके बाद दबाव में आकर पुलिस प्रशासन ने यह प्रशासनिक फेरबदल किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

आरोपी ट्रक चालक को 7 वर्ष की कठोर सजा

नवभारत न्यूज

सतना 16 सितंबर. शराब के नशे में लारपवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार कर दो लोगों को मौत के घाट उतार देने वाले आरोपी ट्रक चालक को 7 वर्ष का कठोर कारावास और 5 हजार रु के जुर्माने की सजा सुनाई गई.

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सतना मानवेंद्र सिंह के न्यायालय द्वारा आरोपी ट्रक चालक ज्ञानेंद्र कुमार केवट पिता राम मनोहर निवासी ग्राम कांधेली थाना ताला को दो बार 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई. इसके साथ ही आरोपी के विरुद्ध 5 हजार रु का अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया गया. इस मामले में राज्य की ओर से अभियोजन का पक्ष रखने वाले अपर लोक अभियोजक उमेश कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ट्रक चालक शराब के नशे में राजमार्ग पर लारपरवाही पूर्वक वाहन चलाया जा रहा था. जिसके चलते आत्मानंद त्रिपाठी और संतोष दाहिया को ट्रक से टक्कर मार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया गया था. उपचार के दौरान दोनों की मृत्यु हो गई थी. अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, साक्षियों और तर्क से सहमत होते हुए न्यायाधीश द्वारा आरोपी ट्रक चालक के विरुद्ध उक्त दण्डादेश पारित किया गया.

अमानक बीज विक्रय करने पर 4 दुकानों के लाइसेंस निरस्त

नवभारत न्यूज

सतना 16 सितम्बर. कृषकों का उत्तम गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सतना और मैहर जिले क विभिन्न बीज विक्रय केन्द्र से बीज निरीक्षकों द्वारा नमूनों लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे गये थे। इनमें कुछ संस्थाओं के बीज नमूने अमानक स्तर के पाये जाने पर संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये थे।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास आशीष पाण्डेय ने बताया कि संबंधित संस्थाओं द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाये जाने पर बीज अधिनियम 1966 की धारा 7 (बी) के उल्लंघन का दोषी मानकर 4 बीज विक्रय केन्द्रों का लायसेंस निरस्त कर दिया गया है। इनमें मेसर्स प्रीति किराना एवं अनाज भण्डार रामनगर जिला मैहर, मेसर्स विजय खाद बीज भंण्डार जिला सतना, न्यू शिवशक्ति फार्मिग सर्विसेस उचेहरा जिला सतना एवं मां शारदा बीज भण्डार सरला नगर रोड जिला मैहर की बीज अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी गई है।

सेवा ज्योति कलश यात्रा 7 अक्टूबर को निकलेगी

विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'सेवा ज्योति कलश यात्रादृविकसित भारत का संकल्प' का आयोजन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। यात्रा जिले के कस्बों, गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए विधानसभा तथा वहां से जिला मुख्यालय पहुंचेगी, जहां इसका भव्य समापन होगा।

जल शोधन संयंत्रों के संचालन में लापरवाही पर ननि सख्त

कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी को नोटिस

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर. नगर पालिक निगम सतना द्वारा शहर में सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल शोधन संयंत्रों के संचालन एवं संधारण की नियमित समीक्षा की जा रही है।

इसी क्रम में 41 एमएलडी एवं 18 एमएलडी जल शोधन संयंत्रों के संचालन एवं संधारण में कमियां पाए जाने पर निगम आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने संचालन एवं संधारण का कार्य कर रही मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी, अहमदाबाद को नोटिस जारी कर व्यवस्थाअ कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी को नोटिस ों में तत्काल सुधार के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नागरिकों के लिए सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना निगम की प्राथमिकता है और इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित फर्म को संयंत्रों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

संबंधित फर्म से निर्धारित समय-सीमा में जवाब मांगा गया है। संतोषजनक सुधार नहीं पाए जाने की स्थिति में अनुबंध की शर्तों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चांदी के रथ में सवार होकर दर्शन देने निकले भगवान शान्तिनाथ

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर. श्री श्वेताम्बर जैन धर्मवलाम्बियों के आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व समाप्ति पर बुधवार 16 सितम्बर को भव्य रथयात्रा शहर मे निकाली गई।

श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट के प्रचार प्रमुख संदीप कुमार जैन ने बताया कि सर्वप्रथम चांदी के रथ पर भगवान शांतिनाथ जी को विराजमान किया गया।पूजा के वस्त्रो में चार सारथी रथ को खींच रहे थे, रथ के आगे भरी बरसात में नवयुवक गरबा नृत्य करते हुए चल रहे थे जबकि रथ के ठीक पीछे मातृ शक्ति भगवान महावीर के जन्म के पूर्व माता त्रिशला द्वारा देखे गए 14 स्वपन की रजत आकृति और भगवान महावीर का पालना लेकर चल रही थी।सभी युवक श्वेत वस्त्रो में थे और पूरी रथ यात्रा के दौरान मूसलाधार बारिश के बीच में नवयुवकों का और बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था।

रथयात्रा मे समाज के अध्यक्ष दीपक भाई वोरा, मंत्री राजेश वोरा,कीर्ति कामदार, मनोज वोरा, अजय वोरा, पंकज शाह,प्रदीप पारेख,ईश्वर शाह, प्रफुल्ल शाह,गुणवंत शाह,मधुकर पारेख,भूपेंद्र वोरा, किरण वोरा,नितिन पारेख, जयेश पारेख, संकेत सेठ,कल्पेश शाह,पंकज शाह, संजय बोरा, वीरेश वोरा,संजय कामदार,दिलीप कामदार मीनू भाई कामदार,सुरेश दोषी, भरत दोषी, दिपेश वोरा, तरुण जैन बब्बू जय बोरा, हसमुख मेहता, पंकज शाह,सुरेश बोरा,योगेश पारेख, योगेश वोरा,पदमिल बोरा, राहुल वोरा दिपेश शाह,मंगू भाई शाह, अनूपचंद मेहता, जतिन शाह,जतिन पारेख, जय वोरा, भूमित वोरा, प्राशील शाह, चैत्य सेठ, अभिषेक कामदार, विनय शाह, पारस पारेख, प्रशांत वोरा,नीरव शाह, जतिन जैन, समीर शाह, जिगिश पारेख, छबील वोरा, सहित बड़ी संख्या मे मातृ शक्ति शामिल रही।

एकेएस विश्वविद्यालय में यूफोरिया फेस्ट 2026 का भव्य समापन, विजेताओं का हुआ सम्मान

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितंबर। एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में डिपार्टमेंट ऑफ डिजाइन एवं यूनिवर्सिटी कैंपस डेवलपमेंट सेल (यूसीडीसी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय यूफोरिया फेस्ट 2026 का बुधवार को उत्साह और उमंग के बीच भव्य समापन हुआ।

दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा कर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री विवेक सिंह, ओनर एवं हेड, डिजिटल एक्सपर्ट तथा श्री सौरभ पटेल, ओनर, परिवार एंटरप्राइजेज रहे। कार्यक्रम में एकेएस विश्वविद्यालय के डायरेक्टर अमित सोनी, डॉ. सुधीर जैन एवं सूर्यनाथ सिंह गहरवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एक नजर में

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

. सतना जिले में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत शुभारंभ दिवस पर स्वास्थ्य संस्थाओं में वृहद स्वास्थ्य शिविर और शाम को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम किये जायेंगे। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने नगर निगम और जिला विकास अभिकरण तथा जिला पंचायत के अधिकारियों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।इस मौके पर सतना स्मार्ट सिटी के मैनेजर दीपेन्द्र सिंह, परियोजना अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा, डीपीसी दिवाकर तिवारी, सीनियर डाटा मैनेजर हीरामणि, एनआईसी के इंजीनियर मनोहर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कर्मचारी व मजदूर संघ ने की निगमायुक्त से सौजन्य भेंट

सतना। नगर निगम कर्मचारी संघ एवं भारतीय सफाई मजदूर संघ ने निगमायुक्त डॉ नागार्जुन बी गौ?ा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान भगवान कामतानाथ जी का छायाचित्र भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

कश्यप जयंती शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

— भगवान महर्षि कश्यप जी की जयंती के अवसर पर श्री वैश्य परिषद द्वारा शहर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा का अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सतना जिला इकाई द्वारा नवदुर्गा चौक पर पुष्पवर्षा एवं पेयजल वितरण कर भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के पहुंचते ही जयकारों और धार्मिक उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

स्मार्ट फोन वाले दौर में भी फीकी नहीं पड़ी 1956 से शुरू हुई परंपरा

नवभारत न्यूज

सतना, 16 सितम्बर. ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से शुरू हुआ सफर अब डिजिटल रील तक पहुंचा, बुजुर्गों के तजुर्बे और युवाओं के नए जोश का गवाह बना महाराष्ट्र मंडल का गणेशोत्सव।

वक्त बदला, तकनीक बदली और देखते ही देखते हमारा शहर भी पूरी तरह बदल गया। लेकिन इन सबके बीच पिछले 70 सालों से जो एक चीज़ बिल्कुल नहीं बदली, वह है महाराष्ट्र मंडल के गणेश पंडाल में उमड़ने वाली गहरी श्रद्धा। सन् 1956 में महाराष्ट्र से सतना आए 6 परिवारों ने मिलकर यहां पहली बार गणेश उत्सव की शुरुआत की

थी। इसी दौर से सतना शहर में सार्वजनिक स्तर पर गणेश उत्सव मनाने की परंपरा को मजबूती मिली। सतना में महाराष्ट्र मंडल की स्थापना स्वर्गीय पुरुषोत्तम अनंत परांजपे ने की थी। उनके साथ 6 परिवारों ने मिलकर मंडल की गतिविधियों को आगे बढ़ाया। इस मंडल ने पहली बार सतना में बाप्पा की स्थापना की थी, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि आज के डिजिटल युग में भी यह उत्सव समाज को एक धागे में पिरोने का सबसे बड़ा जरिया बना रहेगा। इस साल का आयोजन सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि परंपरा और आधुनिकता के खूबसूरत मिलन की एक नई कहानी कह रहा है।

नई पीढी भी निभा रही भूमिका : प्रदीप

प्रदीप घुले ने बताया कि राजेंद्र नगर का गणेश उत्सव अब केवल बुजुर्गों की यादों और पुरानी परंपराओं तक सीमित नहीं रह गया है। आयोजन में नई पीढ़ी भी बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभा रही है। करीब सात दशक पहले कुछ परिवारों ने जिस छोटी-सी पहल के साथ गणेशोत्सव की शुरुआत की थी.

सामूहिक पहल से शुरू हुआ उत्सव : संजय

संजय महादानी ने बताया कि राजेंद्र नगर में गणेशोत्सव की शुरुआत वर्ष 1956 में कुछ परिवारों की सामूहिक पहल से हुई थी। उस समय उत्सव का स्वरूप बेहद सीमित था, लेकिन परिवारों के आपसी सहयोग, एकजुटता और बप्पा के प्रति गहरी आस्था ने इसे निरंतर आगे बढ़ाया।

परिवार समाज को जोड़ने का माध्यम : महेश

महेश काकिरदे ने बताया कि गणेशोत्सव हमारे लिए महज धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि परिवारों और समाज को एक-दूसरे से जोड़ने का माध्यम भी है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पिछले चार-पांच वर्षों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा का ड्रम में विसर्जन किया जा रहा है।